developmental efforts in Jangalmahal, to wean away people from Naxalite influence. As for NH 34, the work of four-laning, the portion between Barasat and Krishnanagar, has been extremely slow; sites have been abandoned by contractors, completion dates for many stretches have been extended again and again. As a result, the portion is not traffic-worthy and sees frequent accidents and loss of lives.

Despite the State Government having taken up the matter with the Centre repeatedly, things have not improved on the ground. The roads remain in poor shape and life threatening conditions persist.

Road safety is a prime concern for India. Ten per cent of lives lost in the country are due to poor conditions of the National Highways. The callous attitude to wards maintenance of highways needs to be changed. I urge upon the Minister toensured a timely completion of the pending projects, which are extremely crucial for West Bengal.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. E. M. SUDARSANA NATCHIAPPAN): Shri Mansukh L. Mandaviya. He is not here. Shri Parimal Nathwani. He is not present. Shri Motilal Vora. He is also not here. Shri Vivek Gupta. He is not present. Shri A. U. Singh Deo. He is also not present. Chaudhary Munvvar Saleem.

Need to bring equality and facilities in providing health services to both rich and poor

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य और शिक्षा किसी भी देश की महत्वपूर्ण व्यवस्था है । मेरी जानकारी के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय नियमों के तहत एक हजार नागरिकों पर एक डाक्टर होना चाहिए, किन्तु अगर भारतीय स्वास्थ्य समीक्षकों की भी मान ली जाए, तो भी तीन लाख डाक्टरों की आवश्यकता वर्तमान स्वास्थ्य नीति के तहत बताई जाती है । स्वास्थ्य सेवाओं में असमानता की खाई इतनी चौड़ी है कि एक ओर तो एक वर्ग विशेष के कुत्ते को भी तत्काल डॉक्टर मुहैया हो जाता है और दूसरी ओर हिन्दुस्तान की गरीब बेटी प्रसव पीड़ा में कराहती रहती है । इसी प्रकार एक ओर दौलतमंदों के इलाज के लिए फाइव स्टार व्यवस्था के समान सैकड़ों नर्सिंग होम हैं और दूसरी ओर गरीब के इलाज के लिए या तो अस्पताल हैं ही नहीं और अगर हैं तो इतने अव्यवस्थित हैं कि जिन्हें देखकर दिली तकलीफ होती है ।

मान्यवर, स्वास्थ्य की इस अव्यवस्था और असमानता को दूर करने के लिए सरकार को एमसीआई के द्वारा बनाए गए नियमों को शिथिल करना होगा ताकि डॉक्टरों की तादाद में इज़ाफा हो और मेडिकल एजुकेशन में दौलतमंदों का दबदबा कम हो ।

मान्यवर, मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में निजीकरण के दबदबे के कारण अमीरों के बेटों को अवसर मिल जाता है और गरीबों का बेटा निराश हो जाता है । यह देश की सामाजिक समरसता के लिए खतरनाक स्थिति है ।

[चौधरी मुनव्वर सलीम]

मान्यवर, स्वास्थ्य के क्षेत्र में बढ़ती हुई इस असमानता की खाई को पाटने का एक मात्र उपाय यह है कि सरकार आज ही यह ऐतिहासिक एलान करे कि अब मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और तमाम छोटे-बड़े सरकारी अफसरान और उनके परिवारजनों का उपचार केवल सरकारी अस्पतालों में ही होगा । इस क्रांतिकारी कदम के पश्चात एक ऐसे समतामूलक समाज का निर्माण होगा, जहां कलक्टर को गरीब के बेटे के दर्द का अहसास होगा ।

मान्यवर, मेरा अनुरोध है कि सरकारी मेडिकल कॉलेजों को सुविधायुक्त बनाते हुए उनमें एमबीबीएस और मास्टर डिग्रियों की सीटें बढ़ाई जाएं । चीन, अफ्रीका वगैरह से शिक्षा ग्रहण करके आने वाले लगभग एक लाख एमबीबीएस डॉक्टर्स को एक सरल प्रक्रिया से एंट्रेंस टेस्ट दिला कर उन्हें सेवा का अवसर प्रदान किया जाए । इन डॉक्टरों को दो वर्ष देहात में रहकर सेवा करने का नियम बनाया जाए तथा देहात के सभी स्वास्थ्य केंद्रों को सुविधायुक्त बनाया जाए । धन्यवाद ।

† **چودھری منوّر سلیم (اتّر پردیش):** سواستھہ اور شکشا بھی دیش کی اہم ویوستھا ہے۔ میری جانکاری کے مطابق بین الاقوامی قانون کے تحت ایک ہزار ناگرکوں مانیور، سواستھہ کی اس بدانتظامی اور اسمانتا کو دور کرنے کے لئے سرکار کو ایم۔سی۔آئی کے ذریعے بنائے گئے قانونوں کو شتھل کرنا ہوگا تاکہ ڈاکٹروں کی تعداد میں اضافہ ہو اور میڈیکل ایجوکیشن میں دولتمندوں کا دبدبہ کم ہو۔

مانیور، میڈیکل شکشا کے چھیتر میں نجی-کرن کے دبدبے کی وجہ سے امیروں کے بیٹوں کو موقع مل جاتا ہے اور غریبوں کا بیٹا مایوس ہو جاتا ہے۔ یہ دیش کی سماجک سمرستا کے لئے خطرناک استتھی ہے۔

مانیور، سواستھہ کے چھیتر میں بڑھتی ہوئی اس اسمانتا کی کھائی کو پاٹنے کا ایک-ماتر طریقہ یہ ہے کہ سرکار آج ہی یہ ایتہاسک اعلان کرے کہ اب منتریوں، سانسدوں، ودھایکوں اور تمام چھوٹے بڑے سرکاری افسران اور ان کے پریوار والوں کا علاج صرف سرکاری اسپتالوں میں ہی ہوگا۔ اس کرانتی کاری قدم کے بعد ایک ایسے سمتا-مولک سماج کا نرمان ہوگا، جہاں کلیکٹر کو غریب کے بیٹے کے درد کا احساس ہوگا۔

مانیور، میرا انورودھہ ہے کہ سرکاری میڈیکل کالجوں کو سویدھا-یکت بناتے ہوئے ان میں ایم۔بی۔بی۔ایس۔ اور ماسٹر ڈگریوں کی سیٹیں بڑھائی جائیں۔

†Transliteration in Urdu Script.

چین، افریقہ وغیرہ سے شکشا حاصل کرنے والے لگ بھگ ایک لاکھ ایم۔بی۔بی۔ایس ڈاکٹرس کو ایک آسان طریقے سے انٹرینس ٹیسٹ دلا کر انہیں سیوا کا موقع فراہم کیا جائے۔ ان ڈاکٹروں کو دو سال دیہات میں رہ کر سیوا کرنے کا قانون بنایا جائے اور دیہات کے سبھی سواستھ کیندروں کو سویدھا-یکت بنایا جائے۔ دھنیواد۔

श्री देरेक ओब्राईन (पश्चिमी बंगाल): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख के साथ संबद्ध करता हूँ ।

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख के साथ संबद्ध करता हूँ ।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख के साथ संबद्ध करता हूँ ।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख के साथ संबद्ध करता हूँ ।

डा. अनिल कुमार साहनी (बिहार): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख के साथ संबद्ध करता हूँ ।

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख के साथ संबद्ध करती हूँ ।

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI P. RAJEEVE (Kerala): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

श्रीमती तज़ीन फातमा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख के साथ संबद्ध करती हूँ ।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. E.M. SUDARSANA NATCHIAPPAN): The House is adjourned to meet tomorrow at eleven of the clock.

The House then adjourned at thirty-seven minutes past six of the clock till eleven of the clock on Thursday, the 11th December, 2014.

†Transliteration in Urdu Script.